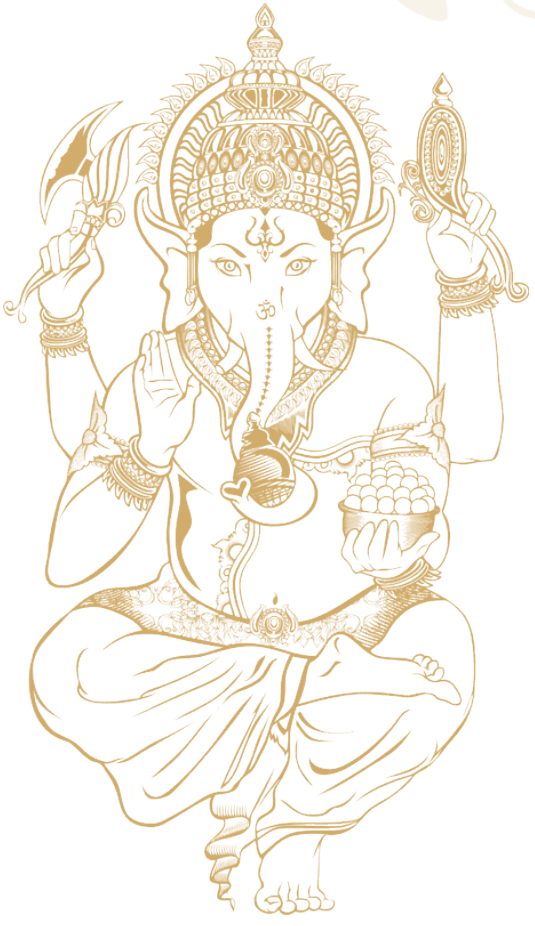

Mr.Naveen

15 Oct 1996

11:30 PM

Kangra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121168205

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/10/1996**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**23:30:00 घंटे**
इष्ट	42:33:31 घटी
स्थान	**Kangra**
राज्य	Himachal Pradesh
देश	India

अक्षांश	32:04:00 उत्तर
रेखांश	76:16:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:24:56 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:05:04 घंटे
वेलान्तर	00:14:15 घंटे
साम्पातिक काल	00:43:14 घंटे
सूर्योदय	06:28:35 घंटे
सूर्यास्त	17:52:25 घंटे
दिनमान	11:23:50 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	28:50:44 कन्या
लग्न के अंश	29:24:01 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	आयुष्मान
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	29:24:01	304:37:59	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	---
सूर्य			कन्या	28:50:44	00:59:31	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	07:14:46	13:31:05	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	बुध	नीच राशि
मंगल			कर्क	27:55:13	00:34:49	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	नीच राशि
बुध			कन्या	16:57:08	01:41:58	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मूलत्रिकोण
गुरु			धनु	16:42:10	00:07:21	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			सिंह	19:45:54	01:10:55	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
शनि	व		मीन	08:43:18	00:04:14	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	14:09:32	00:02:16	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	14:09:32	00:02:16	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	06:50:36	00:00:18	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
नेप			मक	01:11:14	00:00:18	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	07:41:01	00:01:57	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	केतु	---
दशम भाव			मीन	17:56:27	--	रेवती	--	27	गुरु	बुध	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:45

लग्न-चलित

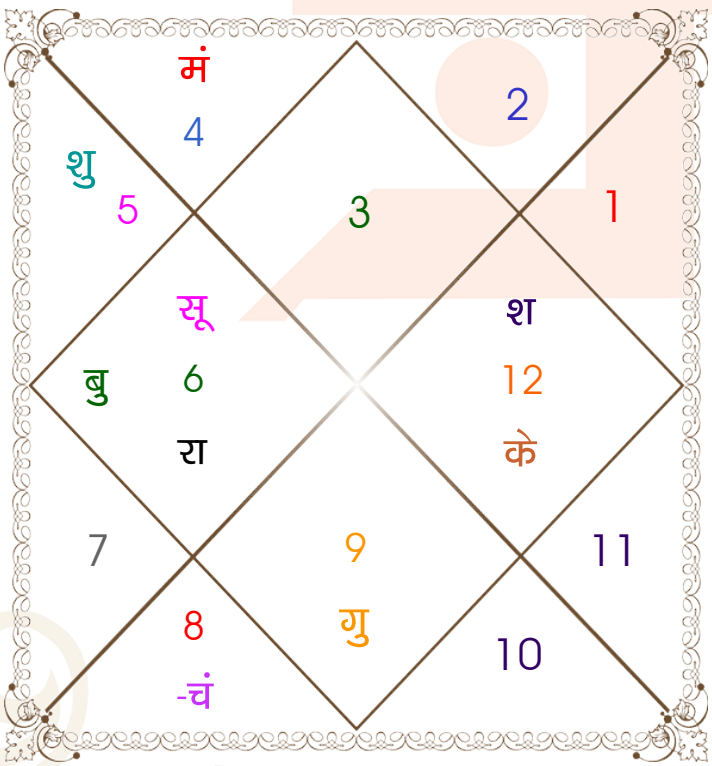

चन्द्र कुंडली

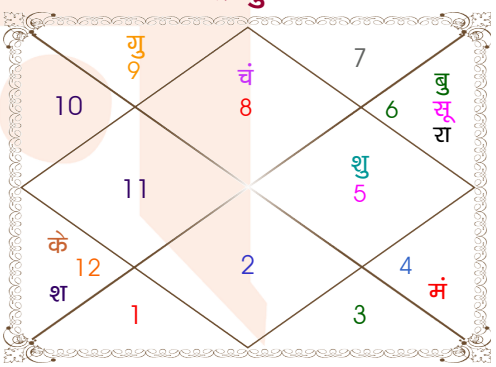

नवमांश कुंडली

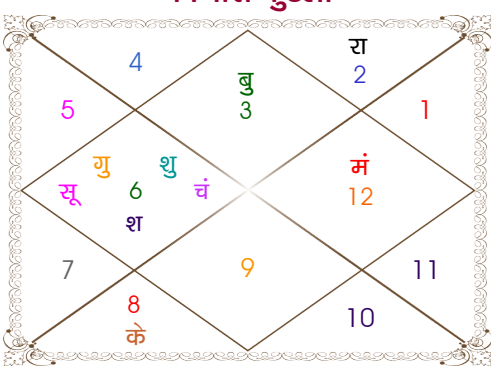

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 13 वर्ष 5 मास 2 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
15/10/1996		20/03/2010		20/03/2027		20/03/2034		20/03/2054	
20/03/2010		20/03/2027		20/03/2034		20/03/2054		19/03/2060	
	15/10/1996	बुध	15/08/2012	केतु	16/08/2027	शुक्र	19/07/2037	सूर्य	07/07/2054
बुध	30/11/1996	केतु	13/08/2013	शुक्र	15/10/2028	सूर्य	19/07/2038	चंद्र	06/01/2055
केतु	09/01/1998	शुक्र	12/06/2016	सूर्य	20/02/2029	चंद्र	19/03/2040	मंगल	14/05/2055
शुक्र	10/03/2001	सूर्य	19/04/2017	चंद्र	21/09/2029	मंगल	19/05/2041	राहु	07/04/2056
सूर्य	20/02/2002	चंद्र	18/09/2018	मंगल	17/02/2030	राहु	19/05/2044	गुरु	24/01/2057
चंद्र	22/09/2003	मंगल	16/09/2019	राहु	08/03/2031	गुरु	18/01/2047	शनि	06/01/2058
मंगल	30/10/2004	राहु	04/04/2022	गुरु	12/02/2032	शनि	20/03/2050	बुध	12/11/2058
राहु	06/09/2007	गुरु	10/07/2024	शनि	23/03/2033	बुध	18/01/2053	केतु	20/03/2059
गुरु	20/03/2010	शनि	20/03/2027	बुध	20/03/2034	केतु	20/03/2054	शुक्र	19/03/2060

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
19/03/2060		20/03/2070		19/03/2077		20/03/2095		21/03/2111	
20/03/2070		19/03/2077		20/03/2095		21/03/2111		00/00/0000	
चंद्र	18/01/2061	मंगल	16/08/2070	राहु	01/12/2079	गुरु	07/05/2097	शनि	24/03/2114
मंगल	19/08/2061	राहु	03/09/2071	गुरु	25/04/2082	शनि	18/11/2099	बुध	16/10/2116
राहु	18/02/2063	गुरु	09/08/2072	शनि	01/03/2085	बुध	24/02/2102		00/00/0000
गुरु	19/06/2064	शनि	18/09/2073	बुध	19/09/2087	केतु	31/01/2103		00/00/0000
शनि	18/01/2066	बुध	15/09/2074	केतु	06/10/2088	शुक्र	01/10/2105		00/00/0000
बुध	19/06/2067	केतु	11/02/2075	शुक्र	07/10/2091	सूर्य	20/07/2106		00/00/0000
केतु	18/01/2068	शुक्र	13/04/2076	सूर्य	31/08/2092	चंद्र	19/11/2107		00/00/0000
शुक्र	18/09/2069	सूर्य	18/08/2076	चंद्र	01/03/2094	मंगल	25/10/2108		00/00/0000
सूर्य	20/03/2070	चंद्र	19/03/2077	मंगल	20/03/2095	राहु	21/03/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 13 वर्ष 4 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।